

**Series RHB-DS2**

COUPON CODE  
PAR10305E08

Visit [www.rachnasagar.in](http://www.rachnasagar.in)  
to redeem the offer

**Set - 3**

**प्रश्न-पत्र कोड RSPL/3**

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 12 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

## हिंदी (ब) HINDI (B)

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

**सामान्य निर्देश:**

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए:

- (i) इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं— क, ख, ग और घ।
- (ii) खंड—क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- (iii) खंड—ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- (iv) खंड—ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- (v) खंड—घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- (vi) प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (vii) यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

## खंड-‘क’ (अपठित बोध)

### 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(7)

दक्षिण अफ्रीका में वकीलों और वहाँ जन्मे और पढ़े-लिखे युवकों के अक्षर मोतियों जैसे जब मैंने देखे, तब मैं बहुत लजाया और पछताया। मैंने तब समझा कि लेख का सुलेख न होना अधूरी शिक्षा की निशानी है। मैंने बाद में अपना लेख सुधारने का प्रयास किया, परंतु पक्के घड़े पर मिट्टी कब चढ़ सकती है? जिस बात की अवहेलना मैंने बचपन में की, उसे मैं आज तक भी न सुधार सका। प्रत्येक छात्र और छात्रा को चाहिए कि वे मेरे उदाहरण को देखकर सोचें और समझें कि सुलेख शिक्षा का आवश्यक अंग है। लेख सुधारने के लिए आलेखन-कला (ड्रॉइंग) सीखनी आवश्यक है। मेरे विचार में छात्र-छात्राओं को आलेखन-कला पहले सीखनी चाहिए। जब आलेखन-कला सीखकर चित्र इत्यादि बनाना सीख जाते हैं, तब यदि अक्षर लिखना सीखें, तो इससे अक्षर अच्छे बन सकते हैं। संस्कृत मुझे रेखागणित से भी अधिक कठिन जान पड़ी, क्योंकि रेखागणित में रटने की कोई बात न थी, परंतु संस्कृत में मेरी दृष्टि से सब रटना था। सरल होने की बात से मैं ललचाया और एक दिन फ़ारसी के वर्ग में जा बैठा। संस्कृत शिक्षक को इससे दुःख हुआ। उन्होंने बुलाया और कहा—“यह तो सोचो कि तुम किसके लड़के हो? धर्म की भाषा तुम नहीं पढ़ना चाहते। तुमको जो कठिनाई हो, सो मुझे बताओ। मैं तो समस्त विद्यार्थियों को अच्छी संस्कृत पढ़ाना चाहता हूँ। आगे चलकर तो उसमें रस की घूंटें मिलेंगी। तुमको इस प्रकार निराश नहीं होना चाहिए। तुम फिर से मेरी कक्षा में जाकर बैठो।” यह सुनकर मैं शर्मिदा हुआ। शिक्षक के प्रेम की मैं अवहेलना न कर सका। आज मेरी आत्मा कृष्णशंकर मास्टर जी का उपकार मानती है, क्योंकि जितनी संस्कृत मैंने उस समय पढ़ी थी, यदि उतनी भी न पढ़ी होती तो मैं आज संस्कृत-शास्त्रों का जो आनंद ले रहा हूँ, वह न ले पाता। साथ ही मुझे खेद है कि मैं और अधिक संस्कृत न पढ़ सका। इसका मुझे पश्चाताप है, क्योंकि आगे चलकर मैं समझ गया हूँ कि किसी भी हिंदू-बच्चे को संस्कृत का अच्छा अध्ययन किए बिना नहीं रहना चाहिए।

(i) गद्यांश के अनुसार लेख का सुलेख न होना क्या माना गया है?

1

(क) पूरी शिक्षा की निशानी

(ख) अज्ञानता की निशानी

(ग) अधूरी शिक्षा की निशानी

(घ) निरक्षरता की निशानी

(ii) निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1

**कथन:** सुलेख के लिए आलेखन-कला (ड्रॉइंग) सीखनी आवश्यक है।

**निष्कर्ष:** आलेखन-कला सीखकर सुलेख लिखना सरल हो जाता है।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

(iii) लेखक को किस बात का पश्चाताप है?

1

(क) सुलेख न सीखने का

(ख) रेखागणित न सीखने का

(ग) शिक्षक की अवहेलना करने का

(घ) संस्कृत का अच्छा अध्ययन न करने का

(iv) 'पक्के घड़े पर मिट्टी कब चढ़ सकती है?' इस कथन का क्या आशय है?

2

(v) लेखक ने संस्कृत को रेखागणित से भी अधिक कठिन क्यों माना है?

2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(7)

शिक्षा, वेतन, परंपरागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं, तो कुछ उच्च स्तर पर। एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अति निम्न स्तर का माना जाता है, किंतु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है

और उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करता है, तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है, जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता। क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं? वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता। इस संदर्भ में गांधी जी से उत्कृष्ट उदाहरण और किसका दिया जा सकता है, जिन्होंने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफ़ाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीचा नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी पत्नी कस्तूरबा से भी उनके मतभेद हो गए थे। बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। सुंदरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध 'चिपको आंदोलन' के माध्यम से पेड़ों को संरक्षण प्रदान किया। फ़ादर डेमियन ऑफ मोलोकाई, मार्टिन लूथर किंग और मदर टेरेसा जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया। इनमें किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया। गांधी जी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है, किंतु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं में बँधा हुआ नहीं था। उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए। यही कारण था कि कभी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गांधी जी की जब मृत्यु हुई, तो अमेरिका का राष्ट्रध्वज भी झुका दिया गया था।

(i) लेखक ने किसे महत्वपूर्ण माना है?

- |                                  |              |
|----------------------------------|--------------|
| (क) पद को                        | (ख) कार्य को |
| (ग) कार्य के प्रति समर्पण भाव को | (घ) तनखाह को |

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

**कथन (A):** गांधी जी अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे।

**कारण (R):** गांधी जी ने कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया।

- (क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।  
 (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।  
 (ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।  
 (घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

- (iii) गांधी जी के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है? 1
- (क) उन्होंने स्वतंत्रता के लिए बहुत संघर्ष किया।
- (ख) उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए।
- (ग) उनकी सोच किसी एक राष्ट्र की सीमाओं में बँधी हुई नहीं थी।
- (घ) वे लंबे समय तक पंचायत समिति के सदस्य रहे।
- (iv) लेखक ने कैसे व्यक्ति के कार्य को निम्नस्तर का कार्य माना है? 2
- (v) गांधी जी के कस्तूरबा से क्यों मतभेद हो गए थे? 2

### खंड-‘ख’ (व्यावहारिक व्याकरण)

3. ‘पदबंध’ पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1×4=4)

- (i) ‘वामीरो की कल्पना में तताँरा एक अद्भुत साहसी युवक था।’—वाक्य में पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए।
- (ii) ‘रोशनदान में कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था।’—वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।
- (iii) मेरी उम्र नौ साल थी और वह चौदह साल के थे। —वाक्य में से सर्वनाम पदबंध चुनकर लिखिए।
- (iv) क्रियाविशेषण पदबंध का एक उदाहरण देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।
- (v) किसी वाक्य में संज्ञा पदबंध की पहचान कैसे की जाती है, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

4. ‘रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण’ पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1×4=4)

- (i) उदाहरण द्वारा संयुक्त एवं मिश्रित वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।
- (ii) ‘एक दिन संध्यासमय होस्टल से दूर मैं एक कनकौआ लूटने बेतहाशा दौड़ा जा रहा था।’—वाक्य का भेद लिखिए।
- (iii) आप जो कुछ फरमा रहे हैं, वह बिलकुल सच है।—संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(iv) गायन इतना प्रभावशाली था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।—वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए।

(v) 'महाभारत में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप से एक कुत्ता ही था।'—वाक्य का भेद लिखिए।

5. समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(1×4=4)

- (i) द्विगु समास में पूर्व पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
- (ii) 'यथाशक्ति' अव्ययीभाव समास है कैसे?
- (iii) 'एकदंत' बहुव्रीहि समास है कैसे?
- (iv) द्वंद्व समास की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए।
- (v) 'सज्जन' सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए।

6. मुहावरे पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(1×4=4)

- (i) "वामीरो ... मेरा नाम ततौरा है। कल मैं इसी चट्टान पर प्रतीक्षा करूँगा ... तुम्हारी बाट जोहूँगा ... ज़रूर आना ..." पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।
- (ii) 'आँख बचाना' और 'आँखें फेरना' मुहावरे में अंतर स्पष्ट कीजिए।
- (iii) 'आकाश छूना' मुहावरे का वाक्य बनाइए।
- (iv) 'बहुत देर तक गाना सुनने के बाद जब लहरें उसे भिगो गईं तो उसे .....। रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे द्वारा कीजिए।
- (v) मेरे फ़ेल होने पर मत जाओ। मेरे दरजे में आओगे, तो ..... आ जाएगा। रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे द्वारा कीजिए।

खंड—'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1×5=5)

"वामीरो.... मेरा नाम ततौरा है। कल मैं इसी चट्टान पर प्रतीक्षा करूँगा ..... तुम्हारी बाट जोहूँगा... ज़रूर आना ....."

“वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थी। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

(i) वामीरो मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास इसलिए कर रही थी क्योंकि—

- (क) उसके अंदर कुछ बेचैनी हो रही थी।      (ख) वह खुश हो रही थी।  
(ग) वह दुखी हो रही थी।      (घ) वह आराम करना चाहती थी।

(ii) ‘उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला।’ कथन के माध्यम से ज्ञात होता है कि तताँरा था—

- (क) सुंदर, बलवान, शांत, सभ्य और साहसी  
(ख) आलसी, क्रोधी, निडर और अनुशासनहीन  
(ग) शक्तिशाली, अहंकारी, क्रोधी और परंपरावादी  
(घ) अनुशासनहीन, क्रोधी और कायर

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए।

**कथन (A):** वामीरो तताँरा को भूल जाना चाहती थी।

**कारण (R):** दूसरे गाँव के युवक के साथ शादी-संबंध परंपरा के विरुद्ध था।

- (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।  
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।  
(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।  
(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) 'तताँरा बार-बार वामीरो की आँखों के सामने था।' लेखक का कथन तताँरा के प्रति वामीरो के किस भाव को दर्शाता है?

(क) प्रेमभाव को

(ख) ईर्ष्याभाव को

(ग) द्वेषभाव को

(घ) मैत्रीभाव को

(v) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक समाज की किस बुराई पर प्रहार करना चाहते हैं?

(क) विवाह की रूढ़िवादी परंपरा पर

(ख) जातिवाद पर

(ग) समाजवाद पर

(घ) सांप्रदायिकता पर

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों

में लिखिए—

(2×3=6)

(i) प्रकृति को प्रायः सहनशील माना जाता है। लेखक ने यह क्यों लिखा है कि— “नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।”

(ii) आपके द्वारा इस पाठ्यक्रम में पढ़े गए पाठ में आपने देखा कि बड़े भाई साहब छोटे भाई को डाँटते रहते थे। यदि बड़े भाई साहब की डाँट फटकार न मिलती तो छोटा भाई क्या कक्षा में अव्वल आता? इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(iii) सआदत अली सत्ता लोलुप था। ‘कारतूस’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iv) ‘डायरी का एक पन्ना’ भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है’ कैसे? स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

(1×5=5)

केवल इतना रखना अनुनय—

वहन कर सकूँ इसको निर्भय।

नत शिर होकर सुख के दिन में

तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।



दुःख-रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही

उस दिन ऐसा हो करुणामय,

तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।

(i) कवि ईश्वर से क्या सहने की शक्ति माँग रहा है?

(क) निर्भय होकर दुखों के भार को सहने की

(ख) दुख भरी रात्रि को सहने की

(ग) खुशियों के भार को सहने की

(घ) जीवन में अचानक आए संकटों को सहने की

(ii) 'तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में' पंक्ति का आशय है—

(क) कवि ईश्वर को केवल दुखों में याद करना चाहता है।

(ख) कवि ईश्वर को केवल सुबह में याद करना चाहता है।

(ग) कवि ईश्वर को प्रत्येक क्षण याद करना चाहता है।

(घ) कवि ईश्वर को खुशी में याद करना चाहता है।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए—

**अभिकथन (A):** समस्त संसार से धोखा मिलने पर भी कवि ईश्वर पर संशय नहीं करना चाहता।

**कारण (R):** कवि को ईश्वर पर पूर्ण विश्वास है। वह किसी भी परिस्थिति में ईश्वर पर संदेह नहीं करना चाहता।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

- (iv) 'नत शिर होकर सुख के दिन में' पंक्ति का क्या आशय है?
- (क) कवि सुख के दिनों में भी ईश्वर की प्रार्थना करना चाहता है।
- (ख) कवि ईश्वर को संकट के समय याद करना चाहता है।
- (ग) कवि यात्रा करते समय ईश्वर को याद करना चाहता है।
- (घ) कवि मंदिर में पूजा करते समय ईश्वर को याद करना चाहता है।
- (v) उपर्युक्त पद्यांश के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?
- (क) कवि की प्रार्थना अन्य प्रार्थना से भिन्न है।
- (ख) कवि दुखों को दूर करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है।
- (ग) कवि निर्भय होकर दुखों को सहने की शक्ति माँग रहा है।
- (घ) कवि ईश्वर को प्रत्येक क्षण याद करना चाहता है।

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों

में लिखिए—

(2×3=6)

- (i) पहले पद में मीरा ने श्रीकृष्ण से अपनी पीड़ा हरने के लिए किस प्रकार विनती की है?
- (ii) 'आत्मत्राण' कविता हमें क्या संदेश देती है?
- (iii) कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है?
- (iv) तोप अपना परिचय किस रूप में देती है?

11. पूरक पुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60

शब्दों में लिखिए—

(3×2=6)

- (i) 'अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।' 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

- (ii) विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई गई युक्तियों को ध्यान में रखकर वर्तमान में इसके लिए संशोधित कदम उठाए गए हैं? इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
- (iii) इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की दोस्ती आज के समाज के लिए वरदान साबित हो सकती है, कैसे? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

### खंड-'घ' (रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद

लिखिए—

(5×1=5)

(i) स्वच्छंदता

संकेत-बिंदु— • स्वच्छंदता का अर्थ • नैतिक शिक्षा का अभाव • रोकथाम के उपाय

(ii) सत्यमेव जयते

संकेत-बिंदु— • सत्य का महत्व • सत्य के मार्ग पर चलने का परिणाम • सत्य की विजय

(iii) जननी और मातृभूमि का महत्व

संकेत-बिंदु— • भूमिका • जन्मभूमि का महत्व • जन्मभूमि के प्रति कर्तव्य

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए—

(5×1=5)

आपका नाम विवेक सिंह/विभा है। दूरदर्शन विभाग के महानिदेशक को एक पत्र लिखिए जिसमें दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों में सुधार के लिए सुझाव हों।

### अथवा

आपका नाम सिद्धार्थ गोयल/सिद्धि गोयल है। आपके क्षेत्र में सड़कों पर रोशनी की उचित व्यवस्था न होने से अंधकार रहता है। क्षेत्रीय विद्युत अधिकारी को लाइटों का उचित प्रबंध करवाने के लिए पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए—

(4×1=4)

आपके विद्यालय द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन किया जा रहा है। विद्यालय का सचिव होने के नाते कक्षा एक से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम के विवरण सहित इसमें सम्मिलित होने की सूचना प्रदान कीजिए।

अथवा

आपके क्लब की ओर से मोहल्ले में बेघर हुए वृद्ध लोगों के लिए एक वृद्धाश्रम खोला जा रहा है। इस कार्य में आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए मोहल्ले में रह रहे लोगों को सचिव की ओर से सूचना लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए—

(3×1=3)

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

16. 'हमें समय का महत्व समझते हुए सदैव समय का पाबंद होना चाहिए .....' पंक्ति से लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए।

(5×1=5)

अथवा

आपके घर का नया ए०सी० ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है। इसकी जानकारी देते हुए कंपनी के मैनेजर को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखकर ए०सी० को बदलने का अनुरोध कीजिए।